>

Title: Need to accord environmental clearance to irrigation projects in Gadhchiroli district of Maharashtra.

श्री मारोतराव सैनुजी कोवासे (गडचिरोली-चिमूर): महाराष्ट्र राज्य का गड़चिरोली चिमुर संसदीय क्षेत्र एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। इस क्षेत्र के गड़चिरोली जिले की तालुका आरमोरी की कोसरी ल.पा. प्रकल्प, डॉगरगांव-ठाणेगांव उ.िस.यो., कुरखेड़ा तालुका की येंगलखुड़ा ल.पा. प्रकल्प, चामोर्शी तालुका की हल्दीपुरानी उ.िस.यो., तलोधी (मोकासा) उ.िस.यो., पिपरी रीठ ल.पा. प्रकल्प, गणपुर उपसा सिंचन योजना, कढोली उ.िस.यो. अनखेडा उ.िस.यो., पोहार नाला प्रकल्प, गड़चिरोली तालुका की कोटगल उ.िस.यो., कोटगल बैरेज, अहेरी तालुकी की महागांव गर्रा उ.िस.यो., देवलमारी उ.िस.यो., सिरोंचा तालुका की रेंगुंठा उ.िस.यो., धानोरा तालुका की पुलखल ल.पा.यो. केन्द्र सरकार के पास वन संरक्षण अधिनियम के अधीन विलयरेंस न मिलने के कारण स्वीकृति हेतु लंबित है, जिसकी वजह से गड़चिरोली जिले का आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र, जो पूरी तरह से खेती पर ही आश्रित है, में आदिवासी किसान अपनी खेती को पानी के अभाव में सिंचित न कर पाने की वजह से बेकारी की स्थिति में है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह गड़चिरोली आदिवासी जिले की उपर्युक्त सभी परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करके नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों को भूमि सिंचन हेतु पानी उपलब्ध करवाए, जिससे नक्सलवाद से प्रभावित व्यक्ति इन परियोजनाओं से लाभांवित होकर राष्ट्र की मुख्य धारा से जुड़ सके।